

खबर संक्षेप

कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में बाघ के हमले से महिला की मृत्यु

मण्डला। रात्रि में कान्हा टाइगर रिजर्व अंतर्गत बफर जोन वनमंडल के परिक्षेत्र खापा (बफर) की बीट कुमादेही के अंतर्गत ग्राम परांपुर (स्कूल टोला), थाना बैहर, तहसील परसवाड़ा, जिला बालाघाट में एक दुःखद घटना घटित हुई। रात्रि के समय एक वन्यजीव बाघ के हमले में ग्राम निवासी श्रीमती सुगनी बाई, पति श्री बुधराम, उम्र लगभग 45 वर्ष, की मृत्यु हो गई। घटना की सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग का अमला तत्काल पहुंचा तथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए शव का पोस्टमार्टम करारक अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। मृतका के परिजनों को शासन के प्रावधानों के अनुसार अग्रिम सहायता राशि तत्काल उपलब्ध करा दी गई है। शेष अनुग्रह सहायता राशि भी नियमानुसार आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण होते ही शीघ्र प्रदान की जाएगी। घटना के उपरांत वन विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। विभागीय अमला लगातार ग्रामीणों को आवश्यक सावधानियों एवं वन्यजीवों की उपस्थिति के संबंध में जागरूक कर रहा है तथा स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है। वन्यजीव एवं मानव सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किए जा रहे हैं। कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन आमजन से अपील करता है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें तथा वन विभाग द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। किसी भी वन्यजीव की गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम वन अधिकारी अथवा वन विभाग को दें।

मंडला में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (MY Bharat) द्वारा शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय, मंडला में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ किए गए प्रस्तावित 100-सप्ताह के राष्ट्रव्यापी नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान की प्रथम कड़ी के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा जी, जिला अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा जी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम जी एवं युवा अध्यक्ष श्री विकास की



गरिमामयी उपस्थिति रही। धार्मिक संगठनों से गायत्री परिवार एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर लगभग 150 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त भारत संकल्प लेकर नरेश से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प

लिया। इसके पश्चात सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वचुंअल संबोधन का सामूहिक श्रवण किया। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, गायत्री परिवार एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रतिनिधियों ने युवाओं को नरेश के दुष्प्रभावों से अवगत कराया तथा उन्हें नशामुक्त, स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने के



लिए प्रेरित किया। सभी वक्ताओं ने युवाओं से समाज में नशामुक्ति के जन-जागरूकता अभियान के सक्रिय सहभागी बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों के साथ-साथ मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों की भी सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी भुवन सिंह सोलंकी भी उपस्थित रहे। उनके निर्देशन एवं

मार्गदर्शन में मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों के अथक परिश्रम, समन्वय एवं सहयोग से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन एवं संचालन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, स्वयंसेवकों, एनएसएस सदस्यों, धार्मिक संगठनों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए नशामुक्त, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयासों का संकल्प दोहराया गया।

भूमिपूजन

मण्डला विधायक एवं केबिनेट मंत्री सन्पतिया उडके ने किया भूमिपूजन।

6 करोड़ से बनेगा 80 साल पुराना हवेली स्कूल



* लम्बे समय से इसके निर्माण की मांग लोगों द्वारा की जा रही थी।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला/बम्हनीबंजर

आजादी से पहले बना बम्हनीबंजर का ऐतिहासिक हवेली हायर सेकेंडरी स्कूल अब नए कलेवर में नजर आएगा। शनिवार को करीब 6 करोड़ रुपए की लागत से स्कूल के नए भवन निर्माण का भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम में सांसद फगन सिंह कुलस्ते विशिष्ट अतिथि और राज्य मंत्री संपतिया उड्के मुख्य अतिथि

के रूप में शामिल हुईं। भूमिपूजन से पहले मां सरस्वती का पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद अतिथियों ने स्कूल परिसर में पौधे लगाकर वृक्षारोपण भी किया। साथ ही नगर के मुख्य मार्ग पर पेवर ब्लॉक व स्ट्रीट लाइट लगाने और गायत्री परिवार के लिए हॉल निर्माण का शिलान्यास किया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्कूल 80 साल पुराना है। भवन जर्जर होने के कारण लंबे समय से नए निर्माण की मांग की जा रही थी। पेवर ब्लॉक का विरोध, नगरवासी नाखुश

हालांकि नगर में पेवर ब्लॉक लगाए

जाने का लगातार नगरवासी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और पत्रकार विरोध कर रहे थे। इस संबंध में शासन-प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपे गए थे। इसके बावजूद शनिवार को मंत्री और सांसद द्वारा इसका भूमिपूजन कर दिया गया। इससे नगरवासी नाखुश नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि मुख्य मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण की ज्यादा जरूरत है।

सड़क चौड़ीकरण की मांग लेकर पहुंचे कांग्रेसी, पुलिस ने रोकी

कार्यक्रम के दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष गोल् सोनी, विनय

चक्रवर्ती और पार्षद सुनील चौरसिया पेवर ब्लॉक के स्थान पर सड़क चौड़ीकरण की मांग को लेकर ज्ञापन देने पहुंचे। उनका कहना था कि नगर की सबसे बड़ी समस्या जाम और सड़की सड़कें हैं। लगातार नगर में दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं करने दिया। नहीं मानने पर नजरबंदी की चेतावनी के बाद उन्हें समझाइश देकर वापस भेज दिया गया।

मंत्री ने कहा - अधोसंरचना प्राथमिकता

मंत्री संपतिया उड्के ने कहा कि

शिक्षा और अधोसंरचना को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। नए भवन बनने से विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और पेवर ब्लॉक से नगर का सौंदर्यकरण होगा।

सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी हो रही है। इससे ग्रामीण अंचल के बच्चों को पढ़ाई के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा।

जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदगण, जनपद पंचायत अध्यक्ष, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षक और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

बंदरों के हमले से एक युवा की मौत



चर्चा में आया तब सीएमओ नगरपालिका द्वारा बताया गया कि संस्था को दिया गया ठेका काम न करने के कारण रद्द कर दिया गया है लेकिन 2022 में इसी संस्था को ठेका दिया गया था और 2023-24 की जानकारी नगरपालिका द्वारा नहीं दी गई और 2025 में पुनः इस संस्था को ठेका दिया गया इसका आशय तो यही होगा कि पहले इस संस्था ने इस तरह का काम मण्डला नगरपालिका क्षेत्र में किया है। अब नगरपालिका को ही सार्वजनिक करना होगा कि इनकी कौन सी निगरानी समिति की निगरानी में खान नसबंदी का कार्य हुआ, कितने श्रानों की नसबंदी की गई, कब की गई और कितना भुगतान इस संस्था को किया गया। क्या अन्य परिषदों में भी यही कार्यप्रणाली चल रही है।



हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज में विगत का ए दिनों से बंदरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है की शनिवार को सुबह अपनी छत पर टहल रहे छोटेला सोनी उर्फ चीनी सोनी पर सुबह 7:00 बजे बंदरों के झुंड में हमला कर दिया जिसके कारण वह भागते हुए सीढ़ी से उतर रहे थे अचानक गिर जाने के कारण उनका सिर पर गंभीर चोट आई जिसकी प्राथमिक उपचार नारायणगंज में करने के बाद जबलपुर रेफर कर दिया गया लेकिन डॉक्टरों ने गंभीर चोट होने के कारण इलाज नहीं हो पाया जिसके दौरान उनकी मृत्यु हो गई मृत्यु की खबर सुनते ही पूरे नारायणगंज में शोक की लहर दौड़ गई एवं लोगों ने मन बना लिया कि अब बंदरों का आतंक से छुटकारा दिलवाने के लिए बिना कुछ किया नहीं हो पाएगा क्योंकि विगत दिनों से न जाने कितने लोग अपने पैर हाथ तुड़वा दिए हैं परंतु अभी तक बंदर नहीं पकड़े गए बच्चों को रोड में निकलना खतरा से खाली नहीं है परंतु सभी लोगों को

इकट्ठा हो गए जिसमें वे चाकाजाम जैसी स्थिति पर आ गए परंतु अधिकारियों के समझाने पर और आश्वासन एवं समय देने पर उन्होंने चाकाजाम जैसी स्थिति नहीं हुई परंतु इस दुखद घटना के कारण पूरा नारायणगंज सुबह से शाम तक बंद रहा और लगातार एवं दुकानदारों का सहयोग रहा वन अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विभाग अनुच्छेद 2022 में वन प्राणी के अंतर्गत जो बंदर हैं वह नहीं आते हैं उन्हें हटा दिया गया है वन विभाग के अधिनियम से स्थानी निकाय की या ग्राम पंचायत द्वारा बंदरों को पकड़ने के लिए बाहर से टीम बुला सकती है परंतु लोगों का कहना है कुछ भी हो जल्द से जल्द बंदरों का आतंक से निजात होना चाहिए नहीं तो आंदोलन एवं चका जाम जैसी स्थिति बन सकती है।



'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एनसीसी कैडेटों ने किया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला/बम्हनीबंजर

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बम्हनी बंजर की एनसीसी इकाई 2 एमपी गर्ल्स यूनिट द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम एनसीसी चीफ ऑफिसर कांति माला हरदहा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें एनसीसी कैडेटों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त, अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग मंडला डॉ. अरुण शुक्ला तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी, अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग मंडला रंजीत गुप्ता जी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को अधिक एके. गुप्ता, पी.सी. उपाध्याय, श्रीमती पुष्पलता मरावी, श्रीमती



प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एस.के. हरदहा, माध्यमिक विभाग के प्रधानाध्यापक एस.के. मालवीय, वरिष्ठ शिक्षक एके. गुप्ता, पी.सी. उपाध्याय, श्रीमती पुष्पलता मरावी, श्रीमती

ज्योति खेमानी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया।

दूधिया रोशनी से जगमग हुआ शहर

* मुआ-बिछिया में डेकोरेटिव पोल एवं एलईडी लाइटिंग कार्य का हुआ लोकार्पण।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला/मुआबिछिया

परिषद भुआ-बिछिया द्वारा नगर क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं सौंदर्यकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विशेष निधि से 76.21 लाख की लागत से निर्मित डेकोरेटिव पोल एवं एलईडी लाइटिंग कार्य का लोकार्पण रविवार सायं बंजारी माता मंदिर परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री संपतिया उड्के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद भुआ-बिछिया की अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी ने की। विशिष्ट अतिथियों में बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा तथा जिला पंचायत मंडला के अध्यक्ष संजय कुशराम शामिल रहे। लोकार्पित कार्य के अंतर्गत दानीटोला तिराहा से शासकीय प्राथमिक शाला भुआ तक राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के मध्य डेकोरेटिव



पोल एवं एलईडी लाइटिंग तथा शासकीय प्राथमिक शाला भुआ से बंजारी माता मंदिर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के किनारे डेकोरेटिव पोल एवं एलईडी लाइट फिटिंग का कार्य पूर्ण किया गया है। इस परियोजना के पूर्ण होने से नगर में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ होगी, जिससे आमजन को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही नगर के सौंदर्य में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि नगरों का समग्र विकास केवल आधारभूत निर्माण कार्यों से ही नहीं, बल्कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता और सुव्यवस्थित शहरी सुविधाओं से भी सुनिश्चित होता है। उन्होंने नगर परिषद द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी भी उपस्थितजनों को दी गई। स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद की इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी विकास कार्य निरंतर किए जाएंगे। नई एलईडी प्रकाश व्यवस्था शुरू होने से राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के इस महत्वपूर्ण मार्ग पर रात्रि के समय बेहतर रोशनी उपलब्ध होगी। इससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम होने के साथ-साथ नगर का स्वरूप भी अधिक आकर्षक एवं आधुनिक दिखाई देगा। नगर परिषद भुआ-बिछिया द्वारा किया गया यह कार्य नगर के विकास एवं सौंदर्यकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

खबर संक्षेप

किसी स्कूल में दो तो किसी स्कूल में एक भी कम्प्यूटर आपरेटर नहीं होना खड़े कर रहा सवाल..



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बीते हुए कुछ वर्षों पूर्व मध्यप्रदेश शासन शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देश के मुताबिक क्षेत्र के अनेक गांवों के मिडिल स्कूलों में कम्प्यूटर ज्ञान देने खातिर मयसेट कम्प्यूटर रखाये गये थे, जिनका कभी किसी छात्र को लाभ तो हुआ नहीं मगर इन कम्प्यूटरों की स्थिति देखी जावे तो कुछ चोरी चले गये कुछ के आर्धे अधूरे सिस्टम शेष है। तो कई कोठरी में बंद पड़े है जो आज भी सड़ रहे है और कुछ अध्यापक व प्रध्यापक के घर की शोभा बढ़ाने से नहीं चुक पा रहे है..? वही कई गांवों के स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों को तो इन कम्प्यूटर के क्षेत्र मे ए बी सी डी का ज्ञान न होने के कारण वह छात्र छात्रायेँ भी कम्प्यूटर ज्ञान से अवगत नहीं करा पा रहे है। क्योंकि शिक्षकों को कम्प्यूटर संबंधी ज्ञान न होने के कारण गांवों के बच्चे उन्हें आज तक चालू व बंद करना भी नहीं सीख पाये है..? इतना ही नहीं

अज्ञानता वश बच्चे यह सुनकर व जानकर उत्साहित होते है कि उन्हें स्कूल में टेली विजन देखने मिला है जो शायद कभी चालू होगा..? आधुनिकता से परिपूर्ण दौर में प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटर जरूरत बन गया है। इसी बात का ध्यान रखत हुये बच्चों के भविष्य के लियें शिक्षा विभाग द्वारा कम्प्यूटर ज्ञान सोच के साथ लाखों रूपयों की राशि खर्च कर गांव गांव के स्कूलों मे कम्प्यूटर प्रशिक्षण की सुविधा मुहैया करायी गयी है। मगर देखा जावे तो स्कूलों में कम्प्यूटर आपरेटरों के आभाव में इस शिक्षा से बच्चों को बंचित होते हुये देखा जा रहा है। हाल यह बना हुआ है कि किसी स्कूल में जहां जरूरत से अधिक आपरेटर नियुक्त कर दिये गये है तो किसी स्कूल में एक भी आपरेटर नहीं है। यह सच्चाई शिक्षा विभाग की कम्प्यूटर शिक्षा को खाली के घेरे में लाना से नहीं चुक पा रही है..? जनपद पंचायत साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बनवारी में दो दो कम्प्यूटर आपरेटरों की नियुक्ति चर्चा का विषय बनने के साथ साथ सक्षम अधिकारियों की भूमिका पर प्रश्न चिह्न लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है..? जानकारी के अनुसार यहां पर पूर्व से ही एक कम्प्यूटर आपरेटर की तैनाती होने के बाद अतिरिक्त रूप से एक और आपरेटर पहुंचना शिक्षा विभाग के रवेया पर सबाल खड़े होते हुये देखे जा रहे है..? मगर क्षेत्र के अनेक स्कूल इस तरह से है जिनमें कम्प्यूटर आपरेटर के आभाव में वहां पर कम्प्यूटर धूल खाते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर क्षेत्र के अनेक स्कूल इस तरह से भी है जहां पर लाइट की व्यवस्था तक नहीं है, फिर भी उन स्कूलों में कम्प्यूटर उपलब्ध है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर शासन द्वारा कम्प्यूटर शिक्षा के नाम पर पैसा क्यों खर्च किया गया है जो आज स्कूलों में आपरेटर या फिर बिजली के आभाव में मात्र शोभा की सुपारी के आलवा और कुछ साबित होने से नहीं चुक पा रहे है।

साईं सेवकों के निःशुल्क उपचार शिविर में 141 मरीजों को मिला लाभ, सात साल से लाखों दुआओं का सफर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। साईं धाम मंदिर समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साईं बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधन सेवा है को चरितार्थ करते हुये। बीते हुये सात सालों से हर माह के प्रथम रविवार को साईं सेवा केन्द्र साईं धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निःशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है। इसी प्रकार से बीते हुये रविवार को साईं सेवकों द्वारा 84 वें कैम्प का आयोजन किया गया। आयोजित इस शिविर में शहरों के साथ साथ अनेक गांवों के लगभग 141 मरीजों ने पहुंचकर लाभ अर्जित किया गया। वही दूसरी ओर युवाओं द्वारा निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। इस शिविर में महिला रोग विशेषज्ञ डाक्टर स्वाती कुरचनिया के आलवा डाक्टर संजय मोदी, मनीष महोबिया, शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टर अरूण दोहरे, डाक्टर राघवेन्द्र



पुरी सहित सहयोगी, राहुल गिरी गोस्वामी, प्रशांत सोनी, बबलू भाई सहित साईं धाम मंदिर समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान की गईं। वही इस मेडीकल कैम्प में जबलपुर, सोहागपुर, पिपरिया, इटारसी,नरसिंहपुर, गाडरवारा, बरेली, थलबाड़ा, सुजवारा, नारगी, ईमलिया, भूतखेड़ा, चीचली, ढाना, कठौतिया,



का आतंक रहने के चलते इस मार्ग से लोगों का निकलना मुश्किल होने से नहीं चुक रहा है। हाल यह बना हुआ है कि एमपीबी के अंदर जाने वाले मार्गों पर भी शाम होते हुये जिस तरह शराब खोरी करने वालों का आतंक छाता है उसके चलते महिलाओं की बात तो दूर सभ्य लोगों को अपने घरों से निकलना मुश्किल होने से नहीं चुकता है। क्योंकि शराब पीने वाले लोगों के घरों के मुख्य द्वार के सामने ही अपनी बोतले खोलकर शराब पीने के लूये बैठने से नहीं चुकते है..? वही दूसरी ओर इस मार्ग पर बीते हुये लम्बे समय से मुख्य सड़क के दोनों ओर भारी भरकम ट्रकों की दिन रात जिस तरह लाईन लगी हुई देखी जा रही है उसके चलते चल रहे बारिश के दिनों में इस मार्ग की यातायात व्यवस्था तो प्रभावित होते देखी ही जा रही है साथ ही साथ किसी बड़ी घटना को आमंत्रण देते हुये भी जान पड़ रहा है..? मगर हैरत की बात यह है कि जहां प्रतिदिन इस मार्ग से तहसील स्तर से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों का निकलना हो रहा है



तो दूसरी ओर क्षेत्र के जिम्मेदार नेता भी दिन में एक न एक बार यहां से जरूर निकलते हुये देखे जाते है। मगर इसके बाद भी किसी के भी द्वारा इस तरह सड़क के दोनों ओर लम्बी लाईन में खड़े होने वाले इन ट्रकों को लेकर कोई आवाज उठाना तक उचित नहीं समझा जा रहा है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह मार्ग वैसे भी अति संबेदनशील माना जाता है। क्योंकि यहां पर आये दिन घटनाये घटित होना आम बात बन चुकी है जहां पर पूर्व में घटित हुई सड़क दुर्घटनाओं के चलते दर्जनों लोगों ने अपनी जिनदगी गवा चुके है। मगर इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस सच्चाई को देखते हुये जिस तरह चुप्पी साधी जा रही है उससे यह जान पड़ रहा है कि शायद अधिकारी है कोई बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हो...? बताया जाता है कि शांतिदूत तिरहा से लेकर शक्कर नदी पुल तक का यह मार्ग तिरछा होने के कारण जब यहां से वाहन निकलते है तो दूसरी ओर से आने वाले वाहन चालक को दिखाई ही नहीं देता है तो दूसरी ओर



ठीक महाविद्यालय के समीप इस मार्ग पर घाट होने की स्थिति में यहां से गुजरने वाले वाहनों की गति अपने आप ही तेज हो जाती है जिसके चलते यदि कोई व्यक्ति अचानक मुख्य मार्ग पर आ जाता है तो वाहन चालक को अपना वाहन कंट्रोल करना नामुकिन हो जाता है? वही दूसरी ओर इस मार्ग के दोनों ओर पहले से ही फैला हुआ अतिक्रमण जहां यातायात के लिये बाधक बना हुआ था। मगर अब इस मार्ग के दोनों ओर लगने वाली भारी भरकम ट्रकों की लाईन निश्चित तौर से बड़ी घटना को आमंत्रण देने के लिये आग में घी डालने का काम करने के समान प्रतीत होने से नहीं चुक पा रही है? इस तरह दिन के समय जहां वाहनों की लाईन से तो दूसरी ओर रात के समय शराबखोरी करने वालों से राहगीरों से लेकर कालोनीवासी परेशान होते हुये देखे जा रहे है। क्योंकि इस समय नगर के महाविद्यालय में जहां नये प्रवेश पाने वाले छात्र छात्राओं चलते प्रतिदिन छात्र छात्राओं के आने जाने का सिलशिले में इजाफा हो रहा है तो दूसरी

ओर इस मार्ग पर खड़े होने वाले ट्रक निश्चित तौर से महाविद्यालय के छात्र छात्राओं की जिनदगी के साथ आम लोगों के लिये भी एक बड़े खतरे की घंटी बजाने से नहीं चुक रहे है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सड़क के दोनों ओर लम्बी लाईन में खड़े हुये इन ट्रकों के बीच से जब कोई छात्र छात्रा महाविद्यालय के मुख्य द्वार से अपनी स्कूटी या फिर बाइक लेकर मुख्य मार्ग पर पहुंचते है तो उन्हें सामने से आने वाला वाहन नजर ही नहीं आता है। वही दूसरी ओर महाविद्यालय का मुख्य द्वार ठीक घाट पर होने के कारण गाडरवारा से करेली की ओर जाने वाले वाहन की गति अपने आप ही तेज रहती है इस स्थिति में महाविद्यालय से निकलने वाला वाहन सड़क पर पहुंचता है और जब इस मार्ग से निकलने वाले वाहन चालक को वह नजर आता है तो घाट होने के कारण उसे अपना वाहन कंट्रोल करना असंभव हो सकता है जिसके चलते बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है...? इसी बात को लेकर महाविद्यालय के छात्र छात्राओं के अभिभावकों द्वारा क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों वे नेताओं से मांग की जा रही है कि समय रहते हुये शांतिदूत तिरहा से लेकर रिलाईंस पेट्रोल पंप तक सड़क के दोनों ओर लम्बी लाईन में खड़े होने वाले इन ट्रकों पर रोक लगाई जावे जिससे कोई बड़ी घटना घटित होने से रोका जा सके।

कहां गायब हो गया जिला कलेक्टर द्वारा मई में किया गया सरकारी कार्यालयों में बगैर हेलमेट के नहीं मिलेगा प्रवेश वाला आदेश...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि जिला कलेक्टर संपूर्ण जिले का मुखिया होता है और उनके द्वारा जारी किये जाने वाला आदेश हर विभाग व शासकीय कार्यालयों से लेकर निजी कार्यालय हो या फिर निजी संस्था सहित आम व्यक्ति को मानना जरूरी होता है। मगर जिला कलेक्टर द्वारा पूर्व के समय में जारी किये गये अनेक आदेशों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो शायद ही उनका पालन होते हुये देखा गया हो और वह आदेश मात्र अखबारों की सुर्खिया बनकर रहते हुये देखे जा चुका है..? कुछ इसी प्रकार से जिला कलेक्टर द्वारा बीते हुये मई माह में हेलमेट को लेकर जारी किया गया आदेश बगैर हेलमेट के शासकीय व अर्द्धशासकीय कार्यालयों में अधिकारी व कर्मचारियों को प्रवेश नहीं मिलेगा...? यह आदेश भी मात्र अखबारों की सुर्खिया बनकर रहने से नहीं चुक पाया है..?

इस आदेश के बाद चार माह का समय बीत जाने के बाद यदि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो शायद ही किसी कार्यालय में किसी अधिकारी या फिर कर्मचारी को अपनी डियूटी पर हेलमेट लगाकर जाते हुये देखा गया हो..? जबकि देखा जावे तो यह आदेश कलेक्टर द्वारा अपने अधिनस्थ रहने वाले ही कर्मचारियों व पद लिखे लोगों के लिये किया गया था। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब उनके अधिनस्थ रहने वाले ही अपने सक्षम अधिकारी के आदेशो को नजर अंदाज करते हुये देखा जावेगें तो फिर आम जनता से अधिकारियों के आदेशों के पालन की उम्मीद कर पाना क्या संभव हो पायेगा...? मगर हैरत की बात तो यह है कि जिला कलेक्टर के आदेश का पालन न होने पर कलेक्टर द्वारा आज तक आदेश की अज्हेलना करने वालों के खिलाफ किसी तरह से कोई कदम उठा उठाये जाने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शायद जिले के अधिकारी भी सिर्फ आदेशों को अखबारों में खबर छपने तक ही सीमित रखने लगे है..? जिला कलेक्टर द्वारा बीते हुये मई माह में जारी किये गये



आदेश के अनुसार बताया जाता है कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया था। जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने शासकीय/अर्द्धशासकीय कार्यालयों, निगमों एवं स्वाशासी संस्थानों के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया। बताया जाता है कि अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय सड़क सुरक्षा समिति माननीय न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में बीते हुये 3 मई 2026 को जिला मुख्यालय पर आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिले की राजस्व सीमा के भीतर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। दोपहिया वाहन दुर्घटनाओं में अधिकारी फिर पर गंभीर चोट लगने के कारण मृत्यु होती है, जिसे हेलमेट धारण

कर काफी हद तक रोका जा सकता है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत सम्पूर्ण जिले के समस्त शासकीय/ अर्द्धशासकीय कार्यालयों, निगमों एवं स्वाशासी संस्थानों के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार दोपहिया वाहन से कार्यालय आने वाले समस्त शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से आईएसआई मार्क हेलमेट पहनना होगा और जो कर्मचारी बिना हेलमेट के पाए जाएंगे, उन्हें कार्यालय परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा तथा उनकी उस दिन की उपस्थिति प्रभावित की जा सकती है। आदेश में उल्लेखित किया गया है कि इसकी सम्पूर्ण जवाबदारी संबंधित कार्यालय अधीक्षक की होगी। चार पहिया वाहन का उपयोग करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य होगा। कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे नियम तोड़ने वाले कर्मचारियों पर नियमानुसार एवं उक्त निर्देशानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। समस्त कार्यालय प्रमुख अपने मुख्य गेट पर सुरक्षाकर्मियों/ नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाएं, जो बिना हेलमेट आने वाले दोपहिया वाहनों को रोकें और दिवस अनुसार उल्लेखित कर्मचारियों की सूची तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करें। कार्यालय परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार पर बिना हेलमेट प्रवेश निषेध/ NO HELMET, NO ENTRY का सुस्पष्ट सूचना बोर्ड/ पोस्टर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। यह आदेश सिख समुदाय के उन व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा जो धार्मिक रूप से पगड़ी धारण करते हैं। आकस्मिक चिकित्सा आपातकाल की स्थिति में नियम से शिथिलता रहेगी। इस तरह जारी आदेश को महिनों का समय बीत जाने के बाद भी आज तक इस आदेश का शायद ही किसी कार्यालय में पालन होते हुये देखा गया हो...?

आज बड़ा सौभाग्य का दिन है कि मेरी बहिनों को उपहार प्रदान करने का अवसर मिला- मिश्रा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन की योजना के तहत सभी शासकीय स्कूलों में निर्धारित कक्षाओं में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को निः शुल्क साईंफिले प्रदान की जाती है। इसी के चलते बीते हुये दिवस नगर के पीएम श्री शासकीय कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मध्य प्रदेश शासन की साईंफिल वितरण योजना के तहत 29 छात्र-छात्राओं को साईंफिल वितरण समारोह नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा के आलवा भाजपा नेता घनश्याम राजपूत, प्रियांक जैन, रीतेश राय सहित अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। इसके उपरांत पश्चात व्याख्याता राजेश गुप्ता के संगीत संयोजन में मुस्कान वर्मा, हर्षिता राजक, पूर्वी छोपा, ओम श्री नौरिया भावना दुबे और हर्षा तिवारी के द्वारा सुमधुर सरस्वती वंदना की प्रस्तुती दी गई। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुये शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि जिस तरह केन्द्र से लेकर प्रदेश की सरकार द्वारा बेटियों के लिये शिक्षा के क्षेत्र में हतकरी योजनाये चला रही है निश्चित तौर से बेटियों को उसका लाभ मिल रहा है। वही हमारे क्षेत्र का सौभाग्य है कि



जिस तरह हम लोगों द्वारा भोपाल विधायक चुनकर भेजा गया था और वहां से हमको पूरा शिक्षा विभाग का एक मंत्री के रूप में खजाना ही मिल गया है। क्योंकि संपूर्ण प्रदेश की शिक्षा अब हमारे गाडरवारा क्षेत्र की विधान सभा सीट एक पहचान बन चुकी है। क्योंकि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और हमारे विधायक उदय प्रताप सिंह द्वारा शिक्षा क्षेत्र में दिए जा

रहे योगदान और प्रयासों शिक्षा की स्थिति बदल रही है। चल रहे साबन माह में मुझे बड़ा ही सौभाग्य का दिन मिला है कि मे नन्ही बहिनों को उपहार प्रदान करने जा रहा हूँ। इस मौके पर भाजपा युवा नेता प्रियांक जैन ने कहा कि साईंफिल वितरण योजना का उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों को राह सुगम बनाना और नियमित उपस्थिति को बढ़ावा

देना है। घनश्याम राजपूत ने छात्र-छात्राओं से लगन से पढ़ाई कर क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। विद्यालय के प्राचार्य सतीश नायक ने सभी अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षकीय स्टाफ, छात्र-छात्राएं, अभिभावक और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पौधा रोपण के दौरान की गई अनदेखी बंन रही परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर को हरियाली की चुनरी पहनाने के लिये अनेक समाजसेवी संस्थाओं द्वारा पौधा रोपण किया जाता है उसकी निश्चित तौर से जहां सराहना होने से नहीं चुक पाती है। इस तरह पर्यावरण की रक्षा करने के लिये की जाने वाली पौधा रोपण की मुहिम निश्चित तौर से सराहनीय है। मगर पौधा रोपण के दौरान स्थल का चयन करने में बरते जाने वाली लापरवाही निश्चित तौर से परेशानी का कारण बनने के साथ साथ आम लोगों के जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से भी नहीं चुकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर में कुछ वर्ष पहले जहां तहां रोपे गये पौधा



जो इस समय पेड़ बनने की ओर अग्रसर होते हुये देखे जा रहे है मगर उन पर कुल्हाड़ी चलाने के लिये लोगों को मजबूर होना पड़ रहा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन हरे भरे वृक्षों पर लोग कुल्हाड़ी चलाने का मन तो नहीं बना पाते है मगर भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना या फिर परेशानी के चलते उन्हें इस तरह का कदम उठाने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाने लगा है। क्योंकि पौधा रोपण करने वाले संस्थाओं द्वारा स्थल का चयन करने में की गई अनदेखी का परिणाम इस तरह से किया गया है कि पौधों को मुख्य नालियों के किनारे या फिर बिजली तारों के नीचे रोपित कर दिये गये है जो अब पेड़ का रूप लेते हुये एक बड़े खतरे की ओर संकेत देने के चलते उन्हें बिजली विभाग द्वारा आये दिन लाईनों के रख रखाब के दौरान मजबूर होकर काटना पड़ रहा है या फिर जिन दुकानों व घरों के सामने इस तरह के पौधा पेड़ बन कर बिजली तारों को छूने की स्थिति में पहुंचने के कारण लोगों को खुद ही कुल्हाड़ी चलाने पर मजबूर कर रहे है? इस तरह पौधा रोपण किये जाने के दौरान स्थल चयन करने में की गई अनदेखी के चलते शहर की हरियाली की चुनरी पहनाने की सोच पर मजबूरी के चलते ग्रहण लगने से नहीं चुक पा रहा है?

खबर संक्षेप



हाथियों का आतंक थमा, 38 दिन बाद तीन हाथी लौटे छत्तीसगढ़, मुआवजे की मांग तेज

अनूपपुर। लगभग 38 दिनों तक अनूपपुर जिले के जैतहरी एवं अनूपपुर वन क्षेत्र में विचरण करने के बाद तीन हाथियों का दल रविवार तड़के छत्तीसगढ़ की सीमा में लौट गया। हाथियों के वापस चले जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय तक हाथियों की मौजूदगी के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना रहा और खेती-किसानी भी प्रभावित हुई। जानकारी के अनुसार, पांच हाथियों का दल करीब 38 दिन पहले छत्तीसगढ़ से अनूपपुर जिले में पहुंचा था। इनमें से एक आक्रामक हाथी को बांधवगढ़ की रेस्क्यू टीम ने शहडोल जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र की रामपुर बीट से पकड़कर बांधवगढ़ के जंगल में छोड़ दिया था, जबकि एक अन्य बड़ा हाथी कुछ दिन पहले ही छत्तीसगढ़ लौट गया था। शेष तीन हाथी लगातार जैतहरी और अनूपपुर क्षेत्र में विचरण करते रहे। शनिवार को तीनों हाथी जैतहरी वन परिक्षेत्र की चोलना बीट के सागौन प्लांटेशन में दिनभर रुके रहे। देर रात वे ग्राम पंचायत कुकुरगोंडा क्षेत्र होते हुए गुजरटोला के गुजर नाला को पार कर रविवार सुबह करीब 4 बजे छत्तीसगढ़ के मन्वाही वन परिक्षेत्र अंतर्गत सिवनी वन बीट के मालाडांड गांव के समीप बांस प्लांटेशन के कक्ष क्रमांक 2085 में पहुंच गए, जहां उनके विश्राम करने की जानकारी मिली है। इन 38 दिनों के दौरान हाथियों ने कई गांवों में मकानों में घुसकर तोड़फोड़ की। घरों में रखा महुआ एवं शराब पीने के साथ ही खेतों और बाड़ियों में लगी धान, मक्का सहित अन्य फसलों तथा फलों को नुकसान पहुंचाया। हाथियों के हमलों में दो लोग घायल भी हुए। ग्रामीणों और वन विभाग की टीम ने लगातार हाथियों को आबादी से दूर रखने का प्रयास किया, लेकिन कई बार हाथियों ने ग्रामीणों और वन अमले को भी लौड़ा दिया। हाथियों के छत्तीसगढ़ लौटने से अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि वे वर्षाकाल में बिना भय के खेती-बाड़ी का कार्य कर सकेंगे। वहीं प्रभावित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग से नुकसान का सर्वे करगकर शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की है।

अवैध चाकू लेकर लोगों को धमका रहा था आरोपी, सरई पुलिस ने किया गिरफ्तार



अनूपपुर। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चौकी सरई पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एसडीओपी पुष्पाजगढ़ के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी मंगला दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में लगातार गश्त और संदिग्धों की जांच कर रही है। इसी क्रम में 1 अगस्त को पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध चाकू लेकर राहगीरों को डरा-धमका रहा है तथा किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम संतोष सिंह गोंड (40 वर्ष), पिता रायसेन सिंह गोंड, निवासी छोट्टी तुम्मी, थाना पाली, जिला उमरिया बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक लोहे का धारदार चाकू बरामद हुआ। हथियार रखने का कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर पुलिस ने चाकू जब्त कर आरोपी के विरुद्ध चौकी सरई में आर्म्स एक्ट की धारा 25 (बी) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। अपराध जमानती होने के कारण आरोपी को धारा 35 बीएनएसएस के तहत नोटिस देकर रिहा किया गया।

आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं स्थायी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत आज शाम 5 बजे नर्मदा घाट, डिण्डोरी में जनसंवाद—जन चौपाल का आयोजन किया जाएगा।

इस पहल की विशेषता यह है कि नागरिक केवल अपनी समस्याएं ही नहीं बताएंगे, बल्कि उनके व्यावहारिक समाधान के सुझाव भी प्रशासन के समक्ष रखेंगे।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर नगर परिषद के



मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के तहत जिले में लगे बांझपन शिविर

डिंडोरी। मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के तहत जिले के विभिन्न विकासखंडों में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा बांझपन निवारण एवं पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में आयोजित शिविरों में पशुओं का उपचार, टीकाकरण तथा कृत्रिम गर्भाधान सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान की गईं। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अनुसार, शाहपुर के ग्राम मिघरोड़ी, बजाग के ग्राम उफरी, अमरपुर के ग्राम कमरासोंदा तथा करंजिया के ग्राम मेढ़ाखार में शिविर लगाए गए। इन शिविरों में 211 पशुओं का उपचार, 104 पशुओं का बांझपन उपचार, 950 पशुओं के लिए औषधि वितरण, 1420 पशुओं का टीकाकरण तथा 41 पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान किया गया। इसके अलावा 25



अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर बैठक व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश

व्यवस्था, पार्किंग और अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। संबंधित कर्मचारियों को

समय पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।जनसंवाद में वार्ड क्रमांक 8, 9

सांसद फग्वन सिंह कुलस्ते ने करंजिया महाविद्यालय व विकास कार्यों का किया शुभारंभ



डिंडोरी। सांसद फग्वन सिंह कुलस्ते ने रविवार को जिले के करंजिया एवं बजाग क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय महाविद्यालय करंजिया का शुभारंभ किया तथा आईटीआई बजाग की प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत कराई।



साथ ही सड़क एवं सेतु निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में विधायक ओमकार मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते, भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह

नेताम, अनुसूचित जनजाति युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष पंकज सिंह तेकाम, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम अक्षय डिगरसे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक

उपस्थित रहे।इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने शिक्षा, कौशल विकास और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील की।

मत्स्य विभाग की कार्रवाई, समनापुर व डिंडोरी बाजार से मछली जब्त



डिंडोरी।

मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम, 1972 के तहत 16 जून से 15 अगस्त तक लागू बंद ऋतु के दौरान मत्स्याखेट, मछली विक्रय और परिवहन पर प्रतिबंध के पालन को

लेकर मत्स्य विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है।इसी क्रम में सहायक संचालक मत्स्योद्योग एल.एस. शैयाम के नेतृत्व में विभागीय टीम ने समनापुर एवं डिंडोरी मछली बाजार का निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान समनापुर बाजार से 25 किलोग्राम



भारतीय प्रमुख कार्प एवं 52 किलोग्राम थाई मांगूर तथा डिंडोरी बाजार से 14 किलोग्राम भारतीय प्रमुख कार्प मछली जब्त की गई।जब्त मछलियों का नियमानुसार विनिष्टीकरण एवं नीलामी की गई। नीलामी से प्राप्त 3 हजार रुपये की

राशि शासन के खाते में जमा कराई गई। मत्स्य विभाग ने नागरिकों से बंद ऋतु के दौरान मत्स्याखेट, मछली विक्रय एवं परिवहन पर लागू प्रतिबंधों का पालन करने तथा मत्स्य संसाधनों के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

बालिका छात्रावास के कमरे में निकला काला कोबरा , रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा

डिंडोरी न्यूज।

जिले की ग्राम पंचायत मानिकपुर स्थित बालिका छात्रावास भवन में उस समय हड़कंप मच गया, जब छात्रावास के एक कमरे की खिड़की से एक काला कोबरा अंदर घुस आया। सौभाग्यवश घटना के समय छात्रावास की सभी बालिकाएं विद्यालय में पढ़ाई के लिए गई हुई थीं, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।सांप दिखाई देने की सूचना मिलते ही स्थानीय सर्प मित्र कृष्ण कुमार बिड़िया (बटू) मौके पर पहुंचे। उन्होंने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाकर विषैले कोबरा को सुरक्षित पकड़ा और उसे प्राकृतिक आवास के रूप में जंगल में छोड़ दिया। समय रहते किए गए इस रेस्क्यू से छात्रावास में मौजूद कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।घटना के बाद



छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि

छात्रावास भवन की कई खिड़कियों में बाहर की ओर सुरक्षा जाली नहीं लगी है, जिसके कारण सांप और अन्य जहरीले जीव आसानी से अंदर प्रवेश कर सकते हैं। यदि घटना के समय छात्राएं कमरे में मौजूद होतीं, तो गंभीर हादसा हो सकता था।ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने शासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि बालिका छात्रावास की सभी खिड़कियों में मजबूत लोहे की जाली लगाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।फिलहाल, समय रहते किए गए रेस्क्यू और छात्राओं के विद्यालय में होने के कारण संभावित बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इस घटना ने छात्रावासों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता जरूर बढ़ा दी है।

सीएम राइज छात्रावास निर्माण में अनियमितताओं के आरोप, गुणवत्ता पर उठे सवाल

अनूपपुर।

अमरपुर में निर्माणाधीन सीएम राइज छात्रावास भवन का निर्माण कार्य विवादों में घिर गया है। स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं तथा गुणवत्ता से समझौता किए जाने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्लिंथ भराई में मुरुम के बजाय पहाड़ी से निकले बड़े-बड़े पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे कई स्थानों पर प्लिंथ बीम क्षतिग्रस्त हो गई है।आरोप है कि प्लिंथ बीम पर भारी वाहनों का संचालन कराया जा रहा है, जो तकनीकी मानकों के विपरीत है। ग्रामीणों का दावा है कि क्षतिग्रस्त बीम को मुरुम डालकर छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। निर्माण में



अमानक रेत, गिट्टी और डस्ट के उपयोग के साथ ही सूचना पटल नहीं लगाए जाने की भी शिकायत की गई है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माणाधीन भवन का एक

कॉलम पहले गिर गया था, जिसे दोबारा खड़ा कर मरम्मत कर दी गई। साथ ही निर्माण स्थल पर नाबालिग मजदूरों से काम कराए जाने का भी दावा किया गया है। हालांकि, इन

आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।निर्माण स्थल पर मौजूद ठेकेदार के प्रतिनिधि से पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।



अमरकंटक की तपोभूमि में शिव और रेवा की अनादि महिमा श्रावण मास विशेष शिवालयों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजन की तैयारियां पूरी

अनूपपुर। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतों की दिव्य गोद में अवस्थित देवभूमि अमरकंटक केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का जीवंत आध्यात्मिक

केंद्र है। यहाँ से मोक्षदायिनी, पतित-पावनी और पुण्यसलिला मां नर्मदा का पावन अवतरण होता है। स्थानीय धार्मिक परंपरा में भगवान अमरकंट महादेव को इस तपोभूमि के अधिष्ठाता देव तथा मां नर्मदा के दिव्य संरक्षक स्वरूप में श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है। श्रावण मास में उनके दर्शन, पूजन, रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक का विशेष महत्व माना जाता है। स्कंद

पुराण के रेवा खंड में अमरकंटक पर्वत को देवताओं, ऋषियों और सिद्धों की तपोभूमि कहा गया है, जहां से प्रकट हुई रेवा (नर्मदा) समस्त प्राणियों का कल्याण करती हैं। नर्मदा पुराण में मां नर्मदा को शिवकृपा से प्रकट, पापों का नाश करने वाली तथा मोक्ष प्रदान करने वाली दिव्य नदी के रूप में महिमामंडित किया गया है। मां नर्मदा के दर्शन और श्रद्धापूर्वक स्नान से

पापों का क्षय होता है तथा पुण्य की प्राप्ति होती है। श्रावण मास में भगवान अमरकंट महादेव के श्रीचरणों में मां नर्मदा उद्गम का पावन जल अर्पित करना शिव और शक्ति की संयुक्त उपासना का दिव्य प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस काल में किया गया रुद्राभिषेक, बिक्वत्र अर्पण, पंचामृत स्नान तथा महामृत्युंजय मंत्र का जप विशेष फलदायी होता है।



